जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

5 जनवरी, 2022

प्रेस विज्ञप्ति

# जामिया में 'चैलेंजेस ऑफ़ पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन इन टीचर एजुकेशन' विषय पर दो सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स शुरू

यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (यूजीसी-एचआरडीसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) तथा शिक्षा संकाय, जेएमआई ने संयुक्त रूप से 'टीचर एजुकेशन: लर्निंग आउटकम्स एंड एजुकेशनल रिफार्म-पेडागोजी,असेसमेंट एंड क्वालिटी एसयुरेंस' पर 4 जनवरी- 17 जनवरी, 2021 से तीसरा (दूसरा ऑनलाइन) दो सप्ताह का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शुरू किया है। इसके दौरान पूरे भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के 35 से अधिक टीचर एजुकेटर का प्रशिक्षण और कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का विषय 'चैलेंजेस ऑफ़ पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन इन टीचर एजुकेशन' है। डॉ. सज्जाद अहमद, सहायक प्रोफेसर, शैक्षिक अध्ययन विभाग और डॉ. अंसार अहमद, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक प्रशिक्षण विभाग एवं एनएफई (आईएएसई), जेएमआई पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का समन्वय कर रहे हैं।

प्रो. मो. मियां, पूर्व कुलपति, मानू; उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रहे और प्रोफेसर एजाज मसीह, शिक्षा संकाय के डीन तथा पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, शिक्षा मंत्रालय की योजना के तहत स्कूल ऑफ़ एजुकेशन के नोडल अधिकारी, ने सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. अनीसुर रहमान, निदेशक, यूजीसी-एचआरडीसी, जामिया ने स्वागत वक्तव्य दिया।

उद्घाटन भाषण के दौरान प्रो. मो. मियां ने व्यावहारिकता पर ध्यान केंद्रित किया और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन ऐसे समय में किया जा रहा है जब एनईपी 2020 के क्रियान्वयन की योजना पूरे देश में चल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनईपी 2020 का सफल क्रियान्वयन संपूर्ण शिक्षक बिरादरी की जिम्मेदारी है जो सामूहिक रूप से इसे सफल बनाएगी। उन्होंने आगे जोर दिया कि एनईपी 2020 इस मायने में अद्वितीय है कि यह टीचर एजुकेशन कार्यक्रम की एकीकृत प्रकृति पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के पुनर्गठन का प्रयास करता है।

अध्यक्षीय टिप्पणी के तहत, प्रो. एजाज मसीह ने पारंपरिक, व्यवहारिक, अधिक परिवर्तनकारी और अधिक नवीन शिक्षाशास्त्र पर ध्यान केंद्रित किया, जो समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में जो कुछ भी सीखा जाता है, अगर उस समझ को संशोधित नहीं किया जाता है, फिर से नहीं सोचा जाता है, फिर से नहीं देखा जाता है या मौजूदा लर्निंग स्थिति की आवश्यकता के लिए फिर से तैयार नहीं किया जाता है तो बाहरी दुनिया के संपर्क में अधिक ग्रहण करने वाले शिक्षार्थियों के समक्ष शिक्षकों का टिक पाना मुश्किल हो जाएगा।

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सज्जाद अहमद ने कोर्स के संक्षिप्त विवरण और अगले दो सप्ताह के लिए प्रतिभागियों की कार्यक्रम अनुसूची को रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र डॉ. अंसार अहमद के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया